

जो साई शरण में रहते हैं

जो साई शरण में रहते हैं,
लोग उनको सता नहीं पाते है,
भरते है खुशियों से दामन,
जब साई रहम फरमाते है,
जो साई शरण में रहते हैं

फरयाद में तेरी है देरी उनके आने में देर नहीं,
हो सकती है रात अंधरी दर साई के अंधेर नहीं,
तूफान में फसी हर नईया को मेरे साई पार लगाते है,
जो साई शरण में रहते हैं

जो दुःख हरती है दुखियों की शिरडी में वो पावन ज्योति है,
तू देख वसा के दिल में उसे फिर बात खुदा से होती है,
दिल अपना जो साई को दे बेटे वो साई तेरे हो जाते है,
जो साई शरण में रहते हैं

बिन मांगे ही दे देते है साई की शान निराली है,
कोई भक्त नहीं कह सकता यहा देखो मेरी झोली खाली है,
आते है जो गम के मारे यहा वो हस्ते हस्ते जाते है,
जो साई शरण में रहते हैं

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/9972/title/jo-sai-sharn-me-rehte-hai-log-unko-sta-nhi-paate-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |